कक्षा-आठवीं

हिंदी (Higher)

प्रतिदर्श प्रश्न-पत्र-1 अधिकतम अंक 80

अंक विभाजन एवं उत्तर संकेत

सामान्य निर्देश : यदि परीक्षार्थी ने ऐसा कोई सही उत्तर लिखा हो जो इस उत्तर संकेत में न हो तो उसके भी यथासंभव अंक दिए जाएँ।

प्रश्न संख्या	अपेक्षित मूल्यांकन बिंदु	निर्धारित अंक	कुल अंक
	खंड-'क' (अपठित बोध)		
1.	**गद्यांश-1**		
	(i) (क) भयंकर स्थिति	1	
	(ii) (घ) कथन (A) तथा कारण (R) दोनों सही हैं तथा कारण (R) कथन (A) की सही व्याख्या करता है।	1	
	(iii) (ख) समय का सदुपयोग करके	1	
	(iv) – समय की महत्ता को समझना – समय का सदुपयोग करना – समय का पाबंद होना (कोई दो बिंदु)	2	
	(v) – समय-प्रबंधन व आत्मानुशासन होना – समय पर कार्य समाप्त होना – कार्य का सुचारू रूप से संपन्न होना – जीवन में सफलता की प्राप्ति	2	7
2.	**गद्यांश-2**		
	(i) (ग) अपनी आवश्यकताओं के मुताबिक सामान खरीद कर	1	
	(ii) (घ) विज्ञापन अनावश्यक उत्पाद खरीदने के लिए प्रेरित करते हैं।	1	

	(iii) (घ) कथन (A) तथा कारण (R) दोनों सही हैं तथा कारण (R) कथन (A) की सही व्याख्या करता है।	1	
	(iv) – भ्रामक सूचनाएँ देने के कारण – उचित-अनुचित उपायों का प्रयोग कर उत्पाद बेचने के कारण	2	
	(v) – विवेक और बुद्धि का प्रयोग करना – ज़रूरत के अनुसार वस्तुओं का चुनाव करना – लम्बे-चौड़े वादों से सावधान रहना	2	7
	खंड-ख (व्यावहारिक व्याकरण)		
3.	(क) (i) प्रांत (ii) बाँध	1	
	(ख) (i) आशीर्वाद (ii) ग्रह	1	
	(ग) (i) अनु + मान – अनुमान	1	
	(घ) (i) पुरुष + त्व – पुरुषत्व	1	4
4.	(क) दिवस, वासर, वार (कोई दो)	1	
	(ख) तरल	1	
	(ग) शहीद	1	3
5.	(क) सदैव	1	
	(ख) उत् + ज्वल	1	2
6.	(क) (i) रोग से मुक्त, तत्पुरुष समास	1	
	(ii) दो पहरों का समाहार, द्विगु समास	1	
	(ख) मृगलोचन, कर्मधारय समास	1	3

7.	(क) संयुक्त वाक्य	1	
	(ख) संकेतवाचक	1	2
8.	(क) मानवीकरण अलंकार	1	
	(ख) यमक अलंकार	1	2
9.	(क) माता जी ने कहा, ''मैं आपके साथ चलूँगी।''	1	
	(ख) तुलसीदास जी ने 'रामचरितमानस' की रचना की।	1	2
10.	(क) आँखें खुल गईं	1	
	(ख) तिल का ताड़ बनाने	1	2
	खंड-'ग' (पाठ्यपुस्तक)		
11.	(i) (क) अपराजेय इच्छा-शक्ति और आत्मबल	1	
	(ii) (ख) बोलने की प्रबल इच्छा	1	
	(iii) (ख) तनाव व क्रोध से ग्रस्त हो जाती थी	1	
	(iv) (क) प्रयास करने पर भी बोलने में असमर्थ होना	1	
	(v) (ख) प्रयास एवं लगन से लक्ष्य-प्राप्ति	1	5
12.	(i) (क) गर्मी की भीषणता	1	
	(ii) (ख) चाबुक को	1	
	(iii) (ग) अँगीठी	1	
	(iv) (क) पशुओं के प्रति अत्याचार को	1	
	(v) (ग) भीषण गर्मी है	1	5
13.	(कोई पाँच)		
	(क) • नौजवान द्वारा आश्रम में सेवा करने की बात • ईश्वर में विश्वास न होना	2	

	(ख)	• खेलना नहीं आता और खेलों में कम भाग लेना • स्कूल में कमज़ोर और बीमार लड़का माना जाना	2	
	(ग)	• निज चरित्र का उत्थान करके • सर्व सुखकारी आचरण अपना कर • दुर्गुणों को दूर करके	2	
	(घ)	• वास्तविकता को याद रखते हुए घमंड न करना • ईमानदारी के मार्ग पर चलना	2	
	(ङ)	• कल्पना चावला के माता-पिता द्वारा उसकी भावनाओं को समझना और मदद करना • विद्यार्थी के स्वतंत्र विचार (कोई दो)	2	
	(च)	• गाँधी जी के सिद्धांतों की बात बताकर • अत्याचार के सामने दबना नहीं / अन्याय सहने से मना करना • अंग्रेजों के काम में सहयोग न देना	2	10
14.	(कोई तीन)			
	(क)	• विनाश से डर कर आत्मविश्वास न खोना • चिड़िया की भाँति सृजनात्मक दृष्टिकोण अपनाना • विषम परिस्थितियों में प्रेम, स्नेह आदि जीवन मूल्यों को बनाए रखना (अन्य विचार भी स्वीकार्य हैं)	2	
	(ख)	• सोने के पिंजरे को ठुकराकर • आश्रय को छिन्न-भिन्न करके • कनक-कटोरी की मैदा का विरोध कर • भौतिक सुख-सुविधाओं का विरोध (कोई भी दो मूल्य का मूल्यांकन बिंदु)	2	

	(ग) • ठुमक कर चलना		
	• किलकारी मारकर उठना–गिरना	2	
	(अन्य कोई भी पाठ आधारित मूल्यांकन बिंदु स्वीकार्य)		
	(घ) • किसी को हेय या तुच्छ नहीं मानना		
	• अवहेलना करने पर दुष्परिणामों का सामना करना।	2	6
	खंड-'घ' (रचनात्मक लेखन)		
15.	अनुच्छेद		
	• भूमिका	1	
	• विषय-वस्तु	3	
	• भाषायी शुद्धता	1	5
16.	पत्र		
	• प्रारूप संबंधी औपचारिकताएँ	1	
	• विषय-वस्तु	3	
	• भाषायी शुद्धता	1	5
17.	संवाद		
	• विषय वस्तु/अभिव्यक्ति	3	
	• संवादों की क्रमबद्धता	1	
	• भाषायी शुद्धता	1	5
18.	सूचना लेखन		
	• प्रारूप संबंधी औपचारिकताएँ	1	
	• विषय-वस्तु	3	
	• भाषायी शुद्धता	1	5